रात

Gillette Audio — नंदो द स्क्राइब — gillettenarrative.com

हाँ, उस रात भी हम अकेले रह गए। बस हम दो। मैं और हज़ार लड़ाइयों का मेरा साथी — वह, जिसने कभी उम्मीदों से बेवफ़ाई नहीं की, जिसने हमेशा मुझे अच्छी छवि बनाने दी। एक अतिरिक्त मूल्य, जो उस भूमिका के लिए शाश्वत मान्यता का हक़दार है।

पर सावधान — मैं कुत्ते की बात नहीं कर रहा। भले ही उसका नाम D अक्षर से शुरू होता हो। अहाहाहाहा।

कौन जाने और कितनी मुलाक़ातें होतीं। कितने देश, कितनी भीड़ भरी जगहें और कितनी सूनी। पर अब आँखें बंद करने का वक़्त था। दिन के भाव बहुत रहे थे। और रोना उनका शुक्रिया कहने का तरीक़ा बन चुका था जो अब नहीं थे।

दोपहर में क़ब्रिस्तान के पास मिली एक एशियाई फूल-विक्रेता की मौजूदगी मुझे नब्बे के दशक की एक याद में ले गई।

तिहानी एक जवान और सुंदर औरत थी, हनोई के एक कोठे के भीतर। उस दिन वह मुझे वहाँ घुमाने ले गई — अपनी कार्यस्थली दिखाने। उसके लिए यह वैसा ही था जैसे न्यूयॉर्क के One Liberty Plaza की चौवनवीं मंज़िल का बिज़नेस सेंटर दिखाना। उसे कोई फ़र्क़ नहीं दिखता था।

वह गर्व से भरी थी। उस जगह से ख़ुश। उसने इसे अपनी योग्यता से कमाया था और अपनी माँ को हरा दिया था, जो पहले उस अड्डे की मालकिन थी। एक आदर्श पारिवारिक ढाँचा, कोई कह सकता है — किसी प्रकाशन-गृह के कर्मचारियों के लिए।

उसने मेरी बाँह थामी, मुझे बिठाया, नींबू की चाय पेश की, और कहा:

नंदो, हमेशा याद रखना — युद्ध के भीतर किए गए हमले कभी तुरंत जवाब नहीं माँगते। न भावुक जवाब। न प्रतिक्रिया वाले। सिर्फ़ प्रतीक्षा। वह प्रतीक्षा, जो तर्कसंगत और तार्किक व्यवहार की बेटी है, जहाँ जीत ही तुम्हारी अकेली सहयोगी है। जीत ही वह है जो तुम्हें सुख और आनंद देती है। और अक्सर कोई क़ीमत नहीं माँगती। वह प्रेम के लिए करती है। कुछ-कुछ वैसे ही जैसे हम करती हैं, तुम्हारे जैसे मर्दों के साथ।

यह विचार गहरा था। इसे पचाने में मुझे वक़्त लगा — यह देखते हुए कि मेरी अज्ञानता हमेशा धरती की आख़िरी औरत की बुद्धि पर भी भारी पड़ती रही है।

मैं मुस्कुराने लगा। दूसरे कमरे से मेरी पत्नी ने पूछा कि मैं किस बात पर हँस रहा हूँ। मैंने क्या देख लिया।

मैंने कहा, बस एक भूत था।

एक रात के भीतर का भूत।

नंदो

© 2026 Ferdinando Frega — सर्वाधिकार सुरक्षित
Gillette Audio — संयुक्त राज्य अमेरिका में कॉपीराइट पंजीकरण प्रक्रियाधीन